अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2020) दिनांक : दिनांक : 21-12-2020

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 15

(क) हास्य के दो प्रकार कौन से हैं, नाम लिखें।

(ख) 'एकस्थान' शब्द से आप क्या समझते हैं?

(ग) प्रध्वंस अभाव किसे कहते हैं?

(घ) अनंगप्रविष्ट श्रुत किसे कहते हैं?

(ङ) पुदगल के दो रूपों के नाम लिखें।

(च) कर्म के चार कार्य में अवरोध शब्द का क्या तात्पर्य है?

(छ) उद्वर्तन से आप क्या समझते हैं?

(ज) सत्य अणुव्रत किसे कहते हैं?

(झ) संसार में जितने भी दृश्य पदार्थ हैं, उन सब में कितने व कौन से वर्ण विद्यमान हैं?

(ञ) अनंतानंतप्रदेशी स्थूल स्कंध में कितने स्पर्श, रस, गंध और वर्ण पाए जाते हैं?

(ट) वस्तु प्राप्त करने की क्षमता किस कर्म के क्षय या क्षयोपशम से प्राप्त होती है?

(ठ) नाराच संहनन किसे कहते हैं?

(ड) ईहा से आप क्या समझते हैं?

(ढ) 'आर्जव' शब्द से आप क्या समझते हैं?

(ण) एषणा समिति का क्या तात्पर्य है?

(त) मायामृषा पाप किसे कहते हैं?

(थ) तेजस् समुद्घात का भावार्थ क्या है?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) परोक्ष के प्रकारों के बारे में लिखते हुए उनके अंतर को स्पष्ट करें।

(ख) पर्याय की संक्षिप्त व्याख्या करते हुए उसके कितने प्रकार हैं, बताएं। तथा पहले दो प्रकारों की व्याख्या करें।

(ग) नैगम नय की व्याख्या करें।

(घ) धर्म्य ध्यान के बारे में आप क्या जानते हैं? व्याख्या करें।

(ङ) गर्भ की परिभाषा करते हुए उसके प्रकारों की व्याख्या करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) व्यवहार के पांच प्रकारों की विस्तृत व्याख्या करें।

(ख) धर्म की पहचान के पांच प्रकारों का सविस्तार वर्णन करें।

(ग) आश्रव को परिभाषित करते हुए उसके प्रकारों की विस्तार से व्याख्या करें।

(घ) पर्याप्ति की परिभाषा करते हुए उसके प्रकारों की विस्तार से व्याख्या करें।

तत्व-चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दें– 10

(क) जीव जीव या अजीव?

(ख) नौ तत्व में ज्ञेय कितने तत्व?

(ग) दया छह में कौन? नौ में कौन?

(घ) अधर्म छह में कौन? नौ में कौन?

(ङ) कर्म और कर्म का कर्ता एक या दो?

(च) पाप और धर्म एक या दो?

(छ) पाप छह में कौन? नौ में कौन?

(ज) अरिहंत भगवान संज्ञी या असंज्ञी?

(झ) तुम्हारे में ध्यान कितने व कौन से?

(ञ) श्रावक तपस्या का पारणा करे, वह व्रत में या अव्रत में?

(ट) निर्जरा रूपी या अरूपी?

(ठ) धर्म और धर्मास्तिकाय एक या दो?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) निरवद्य पर चर्चा।

(ख) कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्व।

(ग) विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्व।

(घ) नौ तत्व पर आज्ञा-अनाज्ञा।

(ङ) छह द्रव्य पर चर्चा।

(च) विविध चर्चा।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) दस प्रकार के.....में हो यदि एक भी प्रकार का.....बाकी रहता है, तो भी उसमें.....बतलाया गया है।

(ख) .... ये..... मोक्ष के मार्ग हैं।

(ग) जिसके अंतर में..... रूपी ..... उदित हो गया है, उसकी.....प्रकाशित हो गई है।

(घ) जहाँ..... .... नहीं है, वहां धर्म का अंश भी नहीं है।

(ङ) .... से पाप लगता है, इसका तुझे ज्ञान नहीं है .....कार्य में.....और..... दोनों होते हैं।

(च) सम्यक्त्व के लिए कौन से तत्वों का ज्ञान जरूरी है तथा भगवान ने सूत्र में किसे दुर्लभ बताया है?

प्र. 7 कोई तीन पद्य अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) पाप.....लड़ाई रे।

(ख) बंध.....भरमाई रे।

(ग) जीव अजीव.....डिगाई रे।

(घ) समकित..... हि कर्म।

(ङ) नव तत्व.....विशेष।